HINDI

NHS
Blood and Transplant

क्या हम आप पर निर्भर कर सकते हैं?

अंगदान के बारे में
दक्षिणी एशिआई
लोगों को बताने
के लिए कुछ सच्ची
बातें

www.organdonation.nhs.uk/southasiancampaign

0300 123 23 23

हम आप पर निर्भर क्यों कर रहे हैं!

हैलो, मेरा नाम नीना वाडिया है। वैसे तो मैं हास्य अभिनेत्री के तौर पर जानी जाती हूँ, किंतु यहाँ मैं आपसे कुछ कहना चाहती हूँ जो हँसी मजाक नहीं है – यह बात है अंगदान करना।

हो सकता है कि आपने कभी यह सोचा भी न हो कि अंगदान का प्रभाव आप पर भी पड़ सकता है। परंतु एशियन होने के कारण, गुर्दा बदलवाने (ट्रांस्प्लाँट)) की जरूरत हमें अन्य लोगों की अपेक्षा तीन गुना अधिक हो सकती है। इसका कारण यह है कि हमें डाइबिटीज़, गुर्दे की ख़राबी और दिल का रोग होने की संभवना अन्य लोगों से अधिक है, और इन रोगों के कारण शरीर के अंग काम करना बंद कर देते हैं।

बात यहीं समाप्त नहीं होती। दान किए गए अंगों को बड़े ध्यान से अंगदान लेने वाले के शरीर से मिलाकर देखना पड़ता है कि उसके ख़ून तथा शरीर के अन्य अंगों से उनका सही मेल हो। परंतु एशियन लोगों में अंगदान करने वाले लोगों की बहुत कमी है।

इसका अर्थ है कि गुर्दा बदलवाने के लिए एशियन लोगों को गोरे लोगों से दुगुना समय प्रतीक्षा करनी पड़ती है।

इस समय यू के में लगभग 1,492 एशियन लोग गुर्दा बदलवाने (ट्रांस्प्लाँट) की प्रतीक्षा कर रहे हैं जिनमें कुछ छोटे बच्चे भी हैं। इनमें से कुछ इसी प्रतीक्षा में ही संसार को छोड़ जाएंगे – यह कोई हँसी मज़ाक वाली बात नहीं है।

नीना वाडिया, कामेडी कलाकारा

आप जीवन-रक्षक कैसे बन सकते हैं

आप ऐन ऐच ऐस के अंगदान करने वालों के रजिस्टर में अपना नाम दर्ज करवाकर किसी को जीवन का उपहार दे सकते हैं और अपने समुदाय का भला कर सकते हैं। इस रजिस्टर में देशभर के उन लोगों के नाम दर्ज होते हैं जो अपनी मृत्यु के बाद अपने अंगदान करने के लिए तैयार हैं।

यदि आप इस रजिस्टर में शामिल होंगे तो इसका अर्थ यह होगा कि आपकी मृत्यु के बाद आपके गुर्दों, दिल या जिगर जैसे अंगों का सदुपयोग किसी अन्य व्यक्ति को जीवन देने के लिए किया जा सकेगा।

अंग ख़राब हो जाने वाले एशियन लोगों की संख्या धीरे धीरे बढ़ रही है, इस लिए अब पहले से अधिक अंगदान करने वालों की ज़रूरत है।

हमारे समुदाय को सबसे अधिक ख़तरा है, इस लिए हमें अभी कुछ करना चाहिए।

अंगदानी बनने की अपनी इच्छा के बारे में अपने परिवार से बात करें, और कृपया आज ही ऐन ऐच ऐस के अंगदानियों वाले रजिस्टर में शामिल हो जाएं।

क्या हम आप पर निर्भर कर सकते हैं कि आप जीवन-रक्षक बनेंगे?

आसिफ़ ख़ान – अभिनेता

किसी के लिए उसका भविष्य छोड़ जाएं

अपनी मृत्यु के बाद किसी अन्य व्यक्ति को जीने में मदद देने का फ़ैसला पूरी तरह से आपका निजी फ़ैसला है, और यह जरूरी है कि हर व्यक्ति यह फ़ैसला स्वयं करे।

चाहे आपके पास डोनर कार्ड (अंगदान करने वाला कार्ड) पहले ही से है, तब भी आपको अंगदान करने वालों के रजिस्टर में शामिल होकर अपनी इच्छाएं सुनिश्चित रूप से दर्ज करवा लेनी चाहिएं। इस फ़ैसले के बारे में अपने निकट के लोगों से विचार करें, जिन्हें समय आने पर आपकी इच्छाओं के बारे में जानकारी हो।

रजिस्टर में शामिल होकर, आप अपनी इच्छा प्रकट करेंगे कि आपकी मृत्यु के बाद आपके अंगों और शरीर के भागों का उपयोग अन्य लोगों के जीवन रक्षा के लिए या जीवन को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है।

आपका नाम रजिस्टर में शामिल करवाने में कुछ ही मिनट लगेंगे। परंतु इससे किसी के जीवन की रक्षा हो सकती है।

रजिस्टर में शामिल होने का ढंग

- **इस वेबसाईट पर ऑनलाईन रजिस्टर हों www.organdonation.nhs.uk/register**
- **आर्गन डोनर लाईन को इस नंबर पर फ़ोन करें – 0300 123 23 23**

अंगदान क्या है?

अंगदान का अर्थ है किसी को अपने किसी अंग का उपहार देना जिसे अंग बदलवाने की ज़रूरत है। हर वर्ष अंगदानियों की उदारता के कारण हजारों लोगों के जीवन की रक्षा होती है।

एक अंगदानी बहुत से लोगों को जीवन और दो या अधिक लोगों की आँखों को रौशनी वापस दे सकता है।

मृत्यु के बाद जो अंग दान किए जा सकते हैं उनमें दिल, फेफड़े, गुर्दे, पाचन-ग्रंथी और छोटी आँत शामिल हैं। चमड़ी, दिल के वाल्व, और आँखें भी दान करने से भी अन्य लोगों की मदद हो सकती है।

अंगदान करने वाले की अपेक्षा आपको अधिक जरूरत अंगदान लेने की हो सकती है। क्योंकि अंगदानी के मरने के बाद उसके अंगों का उपयोग बहुत शीघ्र करना पड़ता है, इस लिए इनका दान केवल अस्पताल में मरने वाले ही कर सकते हैं।

दान दिए अधिकतर अंग प्राय: उन लोगों के होते हैं जिनकी मृत्यु दिमाग़ के नीचे वाले भाग को गंभीर चोट लगने के बाद इंटेंसिव केअर यूनिट में वेंटीलेटर पर होती है। दिमाग़ की ऐसी चोट दिमाग़ के उन भागों को हानि पहुँचाती है जो जीवन को क़ायम रखने लिए अत्यावश्यक होते हैं। इन भागों के नष्ट हो जाने के बाद कोई भी व्यक्ति जीवित नहीं रह सकता।

डाक्टर और नर्सें जीवन बचाने के लिए हर यत्न करने के लिए वचन-बद्ध होते हैं, और जब जीवन बचाने के सभी यत्न असफल हो जाएं और डाक्टरों की स्वतंत्र टीम किसी की मृत्यु को प्रमाणित कर दे, तब ही अंगदान के बारे में विचार किया जाता है।

फ़ैसला करना आपका काम है

कुछ लोग समझते हैं कि उनके धर्म में अंगदान करना मना है, परंतु यू के के सभी बड़े धर्म अंगदान और अंग बदलवाने (ओर्गन ट्रांस्प्लाँट) के पक्ष में हैं। हर धर्म में कई समुदाय होते हैं, जिसका अर्थ है कि उनके विचार अलग अलग हो सकते हैं, परंतु सब बड़े धर्म यह मानते हैं अंगदान करने का फ़ैसला हर व्यक्ति को स्वयं करना चाहिए।

मारियाह की कहानी

"जब मारियाह आठ वर्ष की थी, तो उसके दोनों गुर्दों ने काम करना बंद कर दिया। जिस युवा स्त्री ने गुर्दे देकर मारियाह को फिर से भविष्य दिया उसके लिए कृतज्ञयता हम शब्दों द्वारा प्रकट नहीं कर सकते।"

– मिस्टर रशीद, रौदरहम से मारियाह के पिता।

दलजीत की कहानी

"गुर्दे फ़ेल हो जाने के कारण मेरा जीवन दस वर्षों तक लटका रहा। अब मेरी तबीयत इतनी अच्छी है जितनी पहले कभी नहीं थी, और यह संभव बनाने के लिए मैं अंगदानी और उसके परिवार का बहुत ही कृतज्ञ हूँ।"

– दलजीत, मिडलसेक्स से।

महमूद की कहानी

"मेरी पत्नी की 32 वर्ष की उम्र में अचानक मृत्यु हो गई, क्योंकि हमने अंगदान के बारे में पहले ही से विचार कर रखा था, इस तरह उसके अंगदान करने का फ़ैसला करने का अतिरिक्त दु:ख मुझे नहीं झेलना पड़ा।

उसकी निस्स्वार्थ दया के कारण एक छोटे से लड़के सहित चार लोगों को लाभ हुआ।"

– महमूद नवाज़, लीड्ज़ से।

अधिक जानकारी

इस पर्चे का अनुवाद निम्नलिखित भाषाओं में हमारी वेबसाईट पर पढ़ा जा सकता है – बंगाली, गुजराती, पंजाबी और उर्दू।

अंगदान और धार्मिक विश्वासों के बारे में हमारा पर्चा पढ़ें। यह पर्चा भी आप हमारी वेबसाईट पर पढ़ सकते हैं या आर्गन डोनर लाईन से मंगवा सकते हैं।

अंगदान के बारे में अधिक जानकारी लेने के लिए या ऐन ऐच ऐस के अंगदान रजिस्टर में शामिल होने के लिए –

आर्गन डोनर लाईन (Organ Donor Line) को इस नंबर पर फ़ोन करें – 0300 123 23 23

या इस वेबसाईट पर जाएं –
www.organdonation.nhs.uk/southasiancampaign

इस पर्चे में दी गई जानकारी यू के ट्रांसप्लांट ने तैयार की है।

NHSBT © 2009

यू के ट्रांसप्लांट ऐन ऐच ऐस ब्लड ट्रांसप्लांट का भाग है।